tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çs"kd % Øekad 138
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 01-11-2017

tuÑfofo esa nyguh Qlyksa ds mRiknu esa Ñf"k ;a=hdj.k dh Hkwfedk ij jk"Vªh; dk;Z'kkyk vkt

tcyiqj 01 uoEcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 2 नवम्बर को प्रातः 10 बजे बायो फर्टिलाईजर सेमीनार हॉल में ^^nyguh Qlyksa ds mRiknu esa Ñf"k ;a=hdj.k** विशय पर राश्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विभिन्न प्रदेशों के राश्ट्रीय व अन्तर्राश्ट्रीय वैज्ञानिक एवं विशय वस्तु विशेशज्ञ शिरकत करेंगे। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. कोटेश्वर राव मुख्य अतिथि होंगे। जनेकृविवि के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर अध्यक्षता करेंगे। विशिश्ट अतिथि के रूप में कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय भोपाल के निदेशक श्री राजीव चौधरी शामिल होंगे। आयोजन समिति के चेयरमेन डॉ. पी.के. मिश्रा एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यशाला में दलहनी फसलों में कृषि यंत्रीकरण की भागीदारी बढ़ाने, बदलते मौसम के परिपेक्ष्य में दलहनी फसलों हेतु विभिन्न यंत्रों का फसल उत्पादन में योगदान तथा अन्य प्रभावकारी कारकों पर गहन विचार विमर्श होगा और आने वाली दलहनी फसलों का उत्पादकता बढ़ाने हेतु रणनीति तैयार की जायेगी।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çskd % Øekad 139
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh fnukd 02-11-2017

Hkfo"; e vk/kqfud Ñf"k ;=k dh egRoi.k Hkfedk gkxh

tu Ñf"k fofo e ^^nyguh Qlyk d mRiknu e Ñf"k ;=hdj.k** fo"k;d jk"Vh; dk;l'kkyk l iu

tcyiqj 02 uoEcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित बायो फर्टिलाईजर सेन्टर सभागार में ^^nyguh Qlyk d mRiknu e Ñf"k ;=hdj.k** विशय पर एक दिवसीय राश्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुये राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. कोटेश्वर राव ने कहा कि दलहन उत्पादन में मध्यप्रदेश सर्वोत्तम कार्य कर रहा है जिसे देश में प्रथम स्थान प्राप्त है। उत्पादन में यह वृद्धि सिंचाई के साधनों के विस्तार, कृशि की आधुनिक सिफारिशों को अपनाने व किसानों और सरकार के अथक प्रयासों से ही संभव हो पाई है। भविश्य में इसमें और भी सफलता की गुंजाइश है। इस दिशा में सामयिक यंत्रीकरण अत्यावश्यक है। समारोह के विशिश्ट अतिथि कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय भोपाल के निदेशक श्री राजीव चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में कृशकों के बीच कृषि यंत्रीकरण को लेकर जागरूकता आ रही है। श्री चौधरी ने आगे कहा यदि हम सभी मिलकर संयुक्तरूप से कृशकों के हित में आधुनिक कृशि यंत्रों का सृजन करें तो अति लाभदायक होगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने कहा कि आज की खेती परम्परागत हल बखर से होती हुई रोबोट और ड्रोन तक जा पहुंची है। खेती में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं, इसलिये जलवायु परिवर्तन के अनुसार आधुनिक कृशि यंत्रों का निर्माण करना होगा। इसके साथ ही अच्छे उत्पादन हेतु उन्नत किस्मों और मिट्टी की गुणवत्ता व ताकत के संरक्षण पर विशेश ध्यान देना होगा। इस दौरान जहां दो फोल्डर ‘‘संरक्षित कृशि यंत्रों का परिचय एवं चना बुवाई की उत्तम उत्पादन तकनीक’’ विशयक कृशि साहित्य का विमोचन किया गया वहीं अन्तर्राश्ट्रीय ख्यातिबल्ध कृशि वैज्ञानिक एवं कुलपति डॉ. एस. कोटेश्वर राव को शाल श्रीफल और प्रतीकचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर नवनियुक्त कुलपति एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अतुल श्रीवास्तव आदि मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन वरिश्ठ वैज्ञानिक डॉ. शीला पांडे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. आर.के. नेमा, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी महाविद्यालय ने किया।

उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से सी.आई.ए.ई. भोपाल कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सी. आर. मेहता, क्राप इम्पूवमेंट एशिया प्रोग्राम इक्रीसेट हैदराबाद के टीम लीडर डॉ. पी.एस. गौर, डी.डब्लु.आर. के निदेशक डॉ. पी.के. सिंह, ए.एम.डी. डिवीजन आई.सी.ए.आर. सी.

आई.ए.ई. भोपाल के हेड डॉ. पी.एस. तिवारी, पंजाब कृशि विवि के प्रोफेसर डॉ. बलदेव डोंगरा, डॉ. व्ही.बी. उपाध्याय, डॉ. डी.के. पहलवान, डॉ. एस.के. निगम, डॉ. बी. सच्चिदानंद, डॉ. एस.के. चतुर्वेदी, डॉ. एस. शर्मा, डॉ. राज गुप्ता व डॉ. एम.एल. केवट आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. अनीता बब्बर, डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. आर.के. दुबे का उल्लेखनीय योगदान रहा।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çsl uksV % Øekad 140
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 08-11-2017

lwpuk çkS|ksfxdh ds lVhd rkyesy ls Ñf"k dks vkSj Hkh leqUur fd;k tk ldsxk & MkW- fclsu

ckyk?kkV e.Myk esa 'kq: gks jgh ubZ ifj;kstuk esa vkbZ-Vh- lkW¶Vos;j esa Hkh ikjaxr gksaxs Ñf"k oSKkfud

tcyiqj 08 uoEcjA ''सूचना प्रौद्योगिकी के सटीक तालमेल से कृषि को और भी समुन्नत किया जा सकेगा। इस हेतु कृषि वैज्ञानिकों को सूचना प्रौद्योगिकी में भी पारंगत होना होगा। अनुसंधान कार्य और उन्नत कृषि तकनीक को किसान भाईयों तक पहुंचाना और उसे कार्य रूप में परिणित करना ही एकमात्र लक्ष्य है।'' उक्त विचार जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। जर्मन प्रोजेक्ट जी.आई. जेड के द्वारा मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से जनेकृविवि प्रदेश के दो जिलों में यह परियोजना लागू करेगा।

जर्मन गर्वमेंट, प्रो साइल व विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. अनय रावत ने बताया कि प्रदेश के जिलों में कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्रों को किसानों से जोड़ने के लिये संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. प्रदीप बिसेन के मार्गदर्शन में बालाघाट एवं मण्डला जिलों में इस परियोजना को प्रारंभ किया जा रहा है। इसके तहत जर्मन शासन के सहयोग एवं मैनेज हैदराबाद के द्वारा ''प्रो साइल'' परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना को ''नाईस'' प्लेटफार्म के द्वारा संचालित किया जायेगा। इसके लिये कृषि वैज्ञानिकों को आई.टी. साफ्टवेयर हेतु प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में मैनेज हैदराबाद के सहायक संचालिका डॉ. मनोहार पी.एल., क्षेत्रीय अधिकारी अविनाश आलोक जी.आई.जेड से तकनीकी समन्वयक हिमांशु एवं डॉ. पूनम व विश्वविद्यालय से डॉ. व्ही.के. प्यासी, डॉ. मोनी थामस, डॉ. अर्चना पाण्डे, डॉ. अनय रावत, डॉ. प्रमोद गुप्ता, डॉ. सिद्वार्थ नायक, डॉ. सीमा नवेरिया, डॉ. स्तुति मिश्रा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम क्रियान्वयन में शैलेन्द्र रजक, संतोष रजक, यशवन्त सिहं राजपूत, लकी पटेल का सक्रिय योगदान रहा।

&000&

Ñf"k esa okfudh dk leUo; ykHknk;h&MkW-fclsu
Ñf"k foHkkx ds vf/kdkjh gq, çf'kf{kr

tcyiqj 13 uoEcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में जनेकृविवि में पांच दिवसीय प्रशिक्षण समारोह में नवनियुक्त कुलपति एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा कि मौसम की विपरीत परिस्थितियों में खेती एवं वानिकी का समन्वय अधिक लाभदायी हो सकता है। खेती में जहां मौसमी आय होती है वहीं टिकाऊ एवं वानिकी से स्थाई आय होती है। प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कृशि विभाग के अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान प्रशिक्षितों को प्रमाण–पत्र प्रदान किये गए। प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक– डॉ. एस.डी. उपाध्याय, आर.आर. बाजपेयी, डॉ. के.के जैन, उप संचालक सिएट श्री आर.पी. गोयल एवं कोर्स कोआर्डिनेटर डॉ. अनय रावत, रघुनाथ ठाकुर एवं श्री जावेद आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyij
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çsd % Øekd 142
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh fnukd 15-11-2017

Ñf"k d {k= e m|ferk dh foiy lHkkouk, & Mk- fclu

tuÑfofo e rhu fnolh; m|ferk tkx:drk f'kfoj liu foKku ,o çk|kfxdh foHkkx] Hkkjr ljdkj dk vk;ktu

tcyij 15 uoEcjA ‘‘खेती के साथ–साथ कृषि के क्षेत्र में उद्यमिता की विपुल संभावनाएं हैं, कृषि छात्र स्वयं का रोजगार स्थापित कर दूसरों को भी रोजगार प्रदान करने में सक्षम हैं।’’ तदाशय के प्रेरणास्पद उदगार जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने उद्यमिता जागरूकता शिविर में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किये।

जनेकृविवि में एन.एस.टी.ई.डी.बी. (NSTEDB) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रवर्तित एवं एमपीकॉन लिमिटेड, भोपाल के नेतृत्व में विज्ञान संकाय से उच्च शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रोत्साहित करने और इस क्षेत्र में स्वर्णिम भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराने हेतु तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें एमपीकॉन लिमिटेड, भोपाल से कार्यक्रम समन्वयक एवं विषय विशेषज्ञ श्री शीलेश मालवीय एवं सुरेन्द्र सिंह राजपूत ने एक सफल उद्यमी की विशेषताएं बताते हुये स्वरोजगार स्थापित करने हेतु शासकीय ऋण योजनाओं की जानकारी, प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाना, फैक्ट्री भ्रमण तथा संभावित स्वरोजगार के क्षेत्रों आदि की जानकारियां प्रदान कीं ताकि प्रतिभागी स्वयं का रोजगार स्थापित कर उसे सफलतापूर्वक संचालित कर सकें। नवनियुक्त कुलपति एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के.मिश्रा ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। इस दौरान प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. बी. सच्चिदानंद एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी, विभागाध्यक्ष डॉ. एन.के. रघुवंशी, विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. भौमिक आदि के विशेष अतिथि के रूप में मंचासीन थे।

कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण के श्री शैलेन्द्र रजक, लकी पटैल एवं यशवन्त सिंह राजपूत का सक्रिय योगदान रहा।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çskd %
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh

Øekad 143
fnukad 16-11-2017

कृषि की उन्नति में कृषि वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान– त्रिवेदी

मध्यप्रदेश के मुख्य सूचना आयुक्त श्री हीरालाल त्रिवेदी का जनेकृविवि भ्रमण

tcyiqj 16 uoEcjA मध्यप्रदेश के मुख्य सूचना आयुक्त श्री हीरालाल त्रिवेदी ने गत दिवस जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय जबलपुर के विभिन्न प्रक्षेत्रों, आधुनिक प्रयोगशालाओं और अनुसंधान कार्यो का भ्रमण किया। इस दौरान कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर, नवनियुक्त कुलपति एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन, अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा एवं संचालक अनुसंधान सेवाएं एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे ने श्री त्रिवेदी को शाल श्रीफल और पुश्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। अपने उद्‌बोधन में श्री त्रिवेदी ने कहा कि देश ने कृशि के क्षेत्र काफी उन्नति की है इसमें कृशि विश्वविद्यालयों और कृशि वैज्ञानिकों के अनुसंधान और शोध का महत्वपूर्ण योगदान है। कुलपति प्रो. तोमर ने विवि द्वारा शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार कार्यो की संक्षिप्त जानकारी पेश की। इस मौके पर प्रभारी अधिश्ठाता डॉ. बी. सच्चिदानंद, डॉ. गिरीश झा, डॉ. एस.बी. नहातकर, डॉ. ए.बी. तिवारी, डॉ. एम.एस. भाले, डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी, डॉ. शरद जैन, डॉ. जी.के. कौतू डॉ. शेखरसिंह बघेल, श्री देशपांडे आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी कुलसचिव डॉ. ए.के. सरावगी एवं आभार प्रदर्शन अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. आर.के. नेमा ने किया।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEid foHkkx

çskd % Øekd 144
lpuk ,o tulEid vf/kdkjh fnukd 16-11-2017

d|yifr çk- rkej dk g|vk lEEkku

tcyi|j 16 uoEcjA जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय के अंतर्गत मृदा विज्ञान एवं कृशि रसायन भाास्त्र विभाग कृशि महाविद्यालय के सभागार में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर का सम्मान एवं बिदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रो. तोमर अंतर्राश्ट्रीय मृदा वैज्ञानिक एवं कुलपति के रूप में किये गये कार्यों के दौरान उपलब्धियों का एक सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह, भााल–श्रीफल एवं फूलमाला से भावभीनी बिदाई दी गई इस दौरान कृशि महाविद्यालय के प्रभारी अधिश्ठाता एवं आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी. सच्चिदानंद द्वारा सम्मान पत्र का वाचन व अभिनंदन किया गया। इस दौरान प्रो. तोमर ने कहा कि मेरा मृदा विज्ञान विभाग से गहरा नाता है मेरी शिक्षा में मृदा विज्ञान विभाग के उत्कृश्ठ गुरूओं का अति आशीश रहा है मुझे इस विभाग से ताकत मिलती है एवं हम सबको चाहिए की सभी जिम्मेदारी से अपने कार्यों का करें एवं इसका लाभ आम जनमानस को प्राप्त हो, सभी मृदा विज्ञान के छात्र–छात्राऐं विशय को गम्भीरता से ज्ञान अर्जन करें व भविश्य निर्माण में ध्यान दें। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन डॉ. भोखर सिंह बघेल एवं आभार प्रदर्शन डॉ. एच.के. राय ने किया। कार्यक्रम में आचार्य व विभागाध्यक्ष डॉ. बी. सच्चिदानंद, डॉ. एच.के. राय डॉ. बी. एस. द्विवेदी, डॉ. भोखर सिंह बघेल, डॉ. ए. के. उपाध्याय, डॉ. जी. एस. टैगोर, डॉ. जी.डी. भार्मा, फूलचंद अमूले, अभिशेक भार्मा, गोपाल हलेचा, भौलू यादव, विनोद कुमार, श्रीमति ऊशा श्रीवास्तव, श्री आर.सी. वर्मा, श्री रामप्रका ा पटेल राजकुमार काछी के साथ ही बड़ी संख्या में मृदा विज्ञान विभाग के छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çs"kd %
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh

Øekad 145
fnukad 17-11-2017

fo|ky;hu Nk=kvksa us fd;k Ñf"k fo'ofo|ky; dk Hkze.k

tcyiqj 17 uoEcjA कृषि शिक्षा के प्रति छात्र–छात्राओं का रूझान बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय में छात्र–छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है, जिससे कृषि शिक्षा के प्रति इनका रूझान बढ़ सके। इसी उद्‌देश्य के तहत जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यलाय के नवनियुक्त कुलपति एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. बिसेन के मार्गदर्शन में विगत दिवस मिलौनीगंज कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं के दल का भ्रमण कराया गया। सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अनय रावत ने बताया कि दल में शामिल 22 छात्राओं ने कृषि महाविद्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान छात्राओं के दल ने औषधीय उद्यान, संचालनालय विस्तार सेवायें के आधुनिक रिकार्डिग एवं प्रिटिंग स्टूडियो का भ्रमण किया साथ ही अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय के प्लेसमेंट सेल एवं अन्य इकाईयों का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी एवं सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अनय रावत ने कृषि शिक्षा के महत्व एवं भविष्य में होने वाली तरक्की के अवसर के बारे में छात्राओं से चर्चा की। इस दौरान शाला की प्रधान अध्यापिका एवं शिक्षिकायें मौजूद थीं।

&000&

Mk- çnhi dqekj fclsu vkt tusÑfofo esa 15osa dqyifr dk inHkkj xzg.k djsaxs

tgka dh i<+kbZ ogha ds loksZPPre in ij vklhu gksaxs dqyifr Mk- fclsu tusÑfofo ds gh Nk=] vf/k"Bkrk vkSj funs'kd jgs gSa Mk- fclsu fo'ofo|ky; esa lo= g"kZ dk ekgkSy

tcyiqj 22 uoEcjA डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन आज 15वें कुलपति का पदभार ग्रहण करेंगे। वे इसी विवि के छात्र रहे हैं उनकी नियुक्ति से विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल है। डॉ. बिसेन संभवतः पहले ऐसे कुलपति होंगे जिनकी पूरी शिक्षा–दीक्षा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में ही हुई और वे यहां विभिन्न पदों पर पदस्थ रहते हुये कुलपति के सर्वोच्च पद तक पहुॅचे हैं। जो अपने आप में अत्यन्त ही गौरव की बात है। बालाघाट में जन्में डॉ. बिसेन 45 वर्शो से वे जबलपुर में ही हैं और यहीं के होकर रह गए।

कुलपति नियुक्त होने के बाद डॉ. बिसेन ने प्रदे ा के देवतुल्य कृषकों की आय दुगनी करने हेतु तकनीक उन्नयन, कृषि विद्यार्थियों हेतु नवोन्मेषी कृषि ि ाक्षा एवं वि वविद्यालय में मानव संसाधन विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता निरुपित किया। बाल्यकाल से ही बहुमुखी प्रतिभा के धनी एक होनहार छात्र के रुप में डॉ. बिसेन ने अपनी माध्यमिक ि ाक्षा शा.उ.मा. शाला बालाघाट तथा उच्चतर माध्यमिक ि ाक्षा टिहलीबाई उ.मा. विद्यालय वारासिवनी से पूर्ण कर एक वर्ष तक शासकीय डिग्री कॉलेज बालाघाट में ि ाक्षा प्राप्त करने के पश्चात् जनेकृविवि से बी.एस. सी. कृषि, एम.एस.सी. कृषि एवं पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की। डॉ. बिसेन ने अपनी उपलब्धियों का श्रेय सदैव अपने परिवार एवं संस्कारधानी के शैक्षणिक संस्कारों को समप्रित किया है। कु ाल नेतृत्व क्षमता एवं प्र ाासनिक योग्यता के धनी प्रो. बिसेन ने वि वविद्यालय में 37 वर्षो के अपने कार्यकाल में उत्कृश्ठ कृषि अर्थ ाास्त्र के वैज्ञानिक एवं प्राध्यापक पद पर अनवरत कार्य करते हुये 15 वर्षो तक हॉस्टल वार्डन, 7 वर्षो तक राष्ट्रीय सेवा योजना के वि वविद्यालय समन्वयक, 1 वर्ष तक एन.सी.सी. ऑफीसर, वि वविद्यालय संपदा अधिकारी तथा वि वविद्यालय में सर्वाधिक 10 वर्षो तक अति लोकप्रिय अधिष्ठाता छात्र कल्याण के रुप में अनवरत कार्य करते हुए न सिर्फ विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास हेतु अपनी वि ाष्ट सेवायें प्रदान कीं अपितु वर्ष 2009 में अखिल भारतीय एग्रीयूनीस्पोर्टस एवं 2013 में अखिल भारतीय एग्रीयूनीफेस्ट के प्रमुख आयोजनकर्ता के रुप में सर्वश्रेष्ठ आयोजन द्वारा वि वविद्यालय की कीर्ति राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की। जिसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली तथा दे ा के अनेक कृषि विष्वविद्यालयों ने डॉ. बिसेन तथा जनेकृविवि को प्र ांसा पत्र से सम्मानित किया।

डॉ. बिसेन ने बालाघाट जिले में बहुप्रतिक्षित एवं सर्वाधिक बजट वाले महत्वाकांक्षी कृषि महाविद्यालय मुरझड़, वारासिवनी, बालाघाट की स्थापना में न सिर्फ भागीरथी भूमिका का निर्वहन किया है अपितु कृषि महाविद्यालय बालाघाट के नोडल अधिकारी, वि ोष कर्तव्यस्थ अधिकारी एवं कृषि महाविद्यालय बालाघाट के प्रथम चयनित अधिष्ठाता के रुप में कृषि महाविद्यालय बालाघाट को जिले के कृषकों, कृषि वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों हेतु गुणवत्ता युक्त आधारभूत संरचना एवं

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

कृषि ि ाक्षा के उच्च आयाम प्रदान किये। मध्यप्रदे ा में कृषि प्रसार के क्षेत्र में वि वविद्यालय के संयुक्त संचालक एवं वर्तमान में निदेशक विस्तार सेवायें जनेकृविवि डॉ. बिसेन ने वि वविद्यालय के 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों के आधुनिकीकरण एवं प्रदेश के कृषकों तक नवाचारयुक्त कृषि प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन किया है। एक प्रेरणादायी प्राध्यापक, कु ाल नेतृत्वकर्ता, प्र ाासनिक व सांगठनिक दक्षता के धनी, बहुमुखी प्रतिभा एवं धाराप्रवाह व्याख्यान शैली के लिये सुविख्यात प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन के कुलपति पद पर नियुक्त होने से समूचे जनेकृविवि के प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, छात्र–छात्राओं एवं जबलपुर के सामाजिक संगठनों में हर्षोल्लास एवं गौरव व्याप्त है। जिले के कृषक एवं सामाजिक संगठनों, कृषि विस्तार अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने हार्दिक बाधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की है।

सभी महत्पूर्ण पदों पर रहते है कुशल मार्गदर्शक एवं प्रेरणादायक व्यक्तित्व के परिणामस्वरूप छात्र–छात्राओं की प्रत्येक गतिविधियों में कृशकों की समस्याओं का भलिभाँती जानकारी होन के कारण डॉ. बिसेन का कुलपति बनने से सभी वर्गों को लाभ प्राप्त होगा। लोकप्रियता इतनी है डॉ. पी.के. बिसेन की अबतक कुलपति पद के नियुक्ति से आज तक हजारों फूल–माला गुलदस्तों से एवं कृशि से जुड़े हर संगठन ने कृशक संगठन, छात्र संगठन, कर्मचारी, अध्यापक–वैज्ञानिक एसोसियेसन आदि हर संगठन ने स्वागत सत्कार किया।

çeq[k fcanqvksa ij çkFkfedrk ls dk;Z&

1. जैविक खेती को बढ़ावा व अनुसंधान/प्रशिक्षण व विस्तार में कार्य।
2. किसानों की खेती को दुगनी करने व लाभ का धंधा बनाने हेतु नई कृशि तकनीक को कृशकों के प्रक्षेत्र तक पहुंचाना।
3. डिजीटल तकनीक से कृशकों को नई उन्नत व समसामायकि जानकारी त्वरित प्रदान करने की दिशा में कार्य।
4. कृशि शिक्षा व अनुसंधान हेतु छात्र छात्राओं को प्रोत्साहन हेतु कार्य।
5. हर वर्ग के सहयोग से ही विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने व उत्कृश्ठ कृशि विश्वविद्यालय की दि ाा में प्राथमिकता से प्रयास करने की बात डॉ. बिसेन ने कही।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çsd % Øekad 147
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 23-11-2017

fdlkuksa rd ubZ Ñf"k rduhd igqapkuk gekjh çkFkfedrk &MkW- fclsu

MkW- fclsu us 15osa dqyifr dk inHkkj xzg.k fd;k

tgka vftZr fd;k Ñf"k Kku ogha cus dqyifr

tuÑfofo esa lo= g"kZ dk ekgkSy

tcyiqj 23 uoECjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के 15वें कुलपति के रूप में आज अपरान्ह डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने जोरदार ढोल–ढमाके और ओजस्वी नारों के बीच अपना पदभार ग्रहण किया। वे इसी विश्वविद्यालय के छात्र, अधिश्ठाता और संचालक रहे हैं और उनकी पूरी शिक्षा–दीक्षा इसी विवि में हुई है। डॉ. बिसेन के विवि पहुॅंचने पर छात्र–छात्राओं और कर्मचारियों ने लगभग 200 मीटर मानव श्रृंखला बनाकर पुश्पवर्शा करते हुये उन्हें फूल–मालाओं से लाद दिया। डॉ. बिसेन ने मातु सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पदभार ग्रहण किया और तुरन्त ही अपने गुरू–शिक्षक डॉ. बी.एल. मिश्रा (सेवानिवृत्त संचालक विस्तार सेवाएं) तथा विदा लेते कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के पूर्ण श्रृद्धाभाव से चरणस्पर्श कर आशीर्वाद लिया। पश्चात् उन्होंने स्मृति वृक्ष का रोपण कर परिसर स्थित हनुमान मंदिर में माथा टेककर दान पेटी में दान भी दिया। इस दौरान कर्मचारी और छात्र समूह भरपूर उंमग और उल्लास के साथ– भारत माता की जय, जय श्रीराम और वन्देमातरम आदि नारों से आकाश गुंजा रहे थे। इस मौके पर विवि के पूर्व कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर, अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, लेखानियंत्रक श्री अनिल केशरवानी, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. शदर तिवारी, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा, अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी, वरिश्ठ प्राध्यापक डॉ. रघुराज तिवारी सहित नगर की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक संस्थाओं और कृशक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ ही अनेक गणमान्य जनों ने पुश्पगुच्छ और तिलक लगाकर डॉ. बिसेन का पुरजोर अभिनंदन किया। इसके अलावा दोपहर में कृशि महाविद्यालय सभागार में केन्दीय प्राध्यापक–वैज्ञानिक परिशद एवं केन्दीय कर्मचारी संघ के द्वारा आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में डॉ. बिसेन का अभिनंदित कर प्रो. तोमर को भावभीनी विदाई दी गई।

इस दौरान पर डॉ. बिसेन ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि नई और उन्नत कृशि तकनीक के साथ किसानों के दरवाजे पर पहुॅंचना हमारी प्राथमिकता है। प्रदेश की उन्नति में कृशकों का महत्वपूर्ण योगदान है। जनेकृविवि के तहत प्रदेश के 25 जिलों में 19 कृशि विज्ञान केन्द्र हमारे पास हैं, इसलिये कृशि तकनीक को किसानों तक पहुॅंचाने का अहम् दायित्व हमारा है। सन 2022 तक प्रधानमंत्री की किसानों की आय को दुगुना करने की योजना और मुख्यमंत्री की कृशकोंन्मुखी योजनाओं की सफलता हेतु हम पूर्णतः समर्पित भाव से काम करेंगे। डॉ. बिसेन के कुलपति नियुक्त होने से विश्वविद्यालय में हर्श का माहौल बना हुआ है।

डॉ. बिसेन ने जनेकृविवि से ही स्नातक और स्नाकोत्तर (कृषि) करने के बाद पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। जनेकृविवि में 1980 में उनकी प्रथम पदस्थापना असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में हुई उसके बाद एसोसिएट प्रोफेसर बने तथा बाद में उन्होंने 10 वर्शों तक अधिश्ठाता छात्र कल्याण

का पदभार सफलतापूर्वक संभाला और करीब दस वर्श तक हॉस्टल वार्डन भी रहे, जिसके चलते उन्हें विश्वविद्यालय की गतिविधियों छात्रों और किसानों की समस्याओं सभी की भली भांति जानकारी है। उनके अनुभवों का लाभ विश्वविद्यालय को मिलेगा। वे डीन बनकर बालाघाट चले गये बाद में वे पदोन्नत होकर संचालक विस्तार सेवायें के रूप में पुनः जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय पहुंच गए। वर्तमान में वे इस पद पदस्थ हैं और मध्यप्रदेश के 19 कृशि विज्ञान केन्द्र उनके अधीन आते हैं। डॉ. बिसेन को विवि के द्वारा जो दायित्व सौंपे गये उनका उन्होंने सफलतापूर्वक निर्वहन किया है।

डॉ. बिसेन ने कुछ समय बैंक में भी नौकरी की। एक बैंक में जहां वे क्लर्क के पद पर पदस्थ रहे तो वहीं दूसरे बैंक में अधिकारी के रूप में कार्य किया। लेकिन उनका मन तो कृशि के क्षेत्र में रमा था और वे इसी क्षेत्र में कुछ करना चाहते थे इसलिये उन्होंने बैंक की नौकरी छोड़ दी।

डॉ. बिसेन की छवि पूरे विवि के अधिकारियों कर्मचारियों और छात्रों के बीच एक शालीन, अनुभवी तथा जिम्मेदार अधिकारी के रूप में विद्यमान है। वे एक कुशल मंच–संचालक, ओजस्वी वक्ता और सफल कार्यक्रम निर्देशक भी हैं। अपने कार्यकाल में उन्होंने अनेक उत्कृश्ट कार्य और बड़ी उपलब्धियां भी हांसिल की हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा हर वर्श एग्रीयुनी स्पोटर्स आयोजित किये जाते हैं। वर्श 2009 में भी यह इवेंट आयोजित होना था लेकिन मात्र पांच माह का समय शेश बचा था और सभी विश्वविद्यालयों ने यह आयोजन करने से हाथ खड़े कर दिये थे। तब इसकी जिम्मेदारी अधिश्ठाता छात्र कल्याण रहे डॉ. बिसेन ने अपने ऊपर ली और जनेकृविवि जबलुपर में पूर्णसफलता के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया। इस 5 दिनी स्पोटर्स इवेंट में देश के 1500 छात्रों से हिस्सा लिया। ऐसा पहली बार हुआ कि कार्यक्रम को बेहतर ढंग से आयोजित करने के लिये देश के सर्वोच्च कृषि संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) दिल्ली और 63 विश्वविद्यालयों ने भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुये डॉ. बिसेन और जनेकृविवि को प्रशंसा पत्र प्रदान किया। इससे डॉ. बिसेन की कुशल कार्यशैली का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है। इस आयोजन की बड़ी सफलता के परिणामस्वरूप खेल परिसर हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने 3.75 करोड़ की राशि जनेकृविवि को प्रदान की। परिणामतः विवि में सर्वसुविधायुक्त वृहत खेल परिसर का निर्माण आरंभ हुआ। इसमें भी डॉ. बिसेन ने अहम भूमिका का निर्वहन किया। आज यह खेल परिसर नगर और प्रदेश की शान है। पश्चात् 13वें अखित भारतीय अन्तर कृषि विश्वविद्यालयीन एग्री युनीफेस्ट के आयोजन को भी डॉ. बिसेन ने अपनी सक्रियता और कुशल रणनीति से सफलतापूर्वक आयोजित कर देशभर में जनेकृविवि का नाम रोशन कर दिया।

समयान्तर में डॉ. बिसेन के गंभीर और गहन संवाद से प्रभावित मध्यप्रदेश शासन ने 10 करोड़ की राशि आवंटित की जिसने एक आदर्श एवं विशाल विश्वविद्यालय प्रेक्षागृह के स्वप्न को साकार किया। विवि अपने स्थापना काल के गत 50 वर्शो से इसकी बाट जोह रहा था। प्रेक्षागृह के निर्माण से विवि की छवि देशभर में निखरी है। प्रेक्षागृह की निर्माण प्रक्रिया लगातार जारी है ....

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çekd %
 Øekd 148
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh <br> fnukd 24-11-2017

i vkj isa'ku dk u ysa VsU'ku& Mk- fclsu
tuÑfofo deZpkjh lxBuksa us fd;k u;s dqyifr dk Lokxr

tcyiqj 24 uoEcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में केन्दीय प्राध्यापक–वैज्ञानिक परिशद् एवं केन्दीय कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित एक भव्य और विशाल समारोह में संघ के पदाधिकारीगण डॉ. आर.एम. साहू, डॉ. अभिशेक शुक्ला, श्री आर.के. पाण्डे, रमाकान्त मिश्रा, राजेश श्रोती एवं सदस्यों ने नवागत कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन का शाल श्रीफल और प्रतीकचिन्ह भेंट कर जोरदार स्वागत किया और पूर्व कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर को सम्मानजनक भावभीनी विदाई दी। वरिश्ठ वैज्ञानिक डॉ. मेवालाल केवट ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। इस मौके पर कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि पे और पेंशन का टेंशन मुझ पर छोड़ दें। 7वॉ वेतनमान लागू करना, पदोन्नति, नई भर्ती एवं माननीय न्यायालय के निर्णयों पर अमल आदि को तवज्जो दी जायेगी तथा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी जिससे हमारे छात्र राश्ट्रीय स्तर पर श्रेश्ठतम प्रदर्शन कर सकें। डॉ. बिसेन ने आगे कहा कि विश्वविद्यालय को देश में 12वें नंबर से पहले नंबर पर लाने भरसक प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने एक शेर– ‘‘कुछ तो मजबूरियां रही होंगी : कोई यूं बेवफा नहीं होता’’ के माध्यम से काम के प्रति कोताही बरतने वाले कर्मियों पर सख्ती बरतने के संकेत भी दिए। विदा लेते कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने गत 5 वर्शो में मीड़िया और कर्मचारियों के सहयोग के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम संचालन डॉ. अमित शर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. एम.के. हरदहा ने किया। इस मौके पर अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, लेखानियंत्रक श्री अनिल केशरवानी, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. शदर तिवारी, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा, अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी, वरिश्ठ प्राध्यापक डॉ. रघुराज तिवारी आदि उपस्थित थे। इस दौरान प्रदेश के समस्त कृशि महाविद्यालयों के संघ पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों से सभागार ठसाठस भरा था जिनमें जबरदस्त उत्साह परिलक्षित हो रहा था।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çs"kd %
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh

Øekad 148
fnukad 24-11-2017

dqyifr d inxzg.k d lkFk gh tu—fofo u fd;k vrjk"Vªh; vuqca/k

tkiku phck fofo vkSj tu—fofo d e/; vuqca/k gLrk{kfjr

tcyi|j 24 uoEcjA जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन के पदग्रहण के साथ ही विश्वविद्यालय ने चीबा विश्वविद्यालय, जापान के साथ शिक्षा, अनुसंधान व विस्तार सेवाओं में एक साथ कार्य करने के अनुबंध को हस्ताक्षरित किया। ज्ञात हो की जापान के कृषक भारतीय कृषकों के समान ही छोटे रकबे में खेती करते हैं पर उनकी खेती की पद्धति में यंत्रीकरण का विशेष स्थान है। इस अनुबंध के साथ विश्वविद्यालय के छात्र, शिक्षक व वैज्ञानिक उच्च अध्ययन व प्रशिक्षण जापान स्थित चीबा विश्वविद्यालय से ग्रहण कर सकेंगे वही चीबा विश्वविद्यालय के छात्र, शिक्षक व वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर का सहयोग प्राप्त कर सकेंगे। अनुबंध के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन की अनुमति पूर्व में प्राप्त हो चुकी है। कृषि समस्याओं के समाधान हेतु दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक परस्पर सहयोग से अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन प्रादेशिक स्तर पर करेंगे। अनुबंध पर विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाऐं डॉ. धीरेन्द्र खरे तथा चीबा विश्वविद्यालय, जापान के वैज्ञानिक डॉ. के. सूजी द्वारा कुलपति डॉ. पी.के. बिसेन की उपस्थिति में हस्ताक्षर किया गया। इस दौरान कुलपति डॉ. बिसेन ने कहा कि यह अनुबंध कृशि के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी, सह संचालक अनुसंधान डॉ. एस.बी. नहातकर, विभागाध्यक्ष खाद्य विज्ञान विभाग डॉ. एल.पी.एस. राजपूत आदि की गरिमामयी उपस्थिति थी।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çd k %   Øekad 149
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh   fnukad 27-11-2017

tu—fofo dh ,u-lh-lh- Nk=kvksa us fd;k jDrnku

tcyiqj 27 uoEcjA जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय की एन.सी.सी. छात्राओं ने जबलपुर इंजीनियरिंग महाविद्यालय में 4 एम.पी.सी.टी.आर. व विक्टोरिया हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित रक्तदान शिविर में हिस्सा लिया और 6 छात्राओं ने रक्तदान कर अन्य छात्राओं को प्रेरणा दी। इस मौके पर ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर ए.एस. चहल, पुश्पा ठाकुर, जनेकृविवि के अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी, डॉ. अनय रातव एवं विवि की एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. स्तुति मिश्रा आद उपस्थित थे।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çskd %
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh

Øekad 150
fnukad 29-11-2017

—f"k uxj okfl;ksa us fd;k gkWdj tksu dk fojks/k

tcyiqj 29 uoEcjA जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारी, प्राध्यापक, वैज्ञानिकों एवं छात्र–छात्राओं तथा कृशि नगर कालोनी के निवासियों ने नगर निगम जबलपुर द्वारा कृशि नगर कालोनी के मुख्य द्वार के बाजू से बनाएं जा रहे हॉकर जोन का विरोध किया। यहां यह उल्लेखनीय है कि उक्त क्षेत्र जिलाधीश जबलपुर द्वारा शांत क्षेत्र घोशित किया गया है। क्योंकि यहां कर्मचारी, प्राध्यापक, वैज्ञानिकों के साथ ही 5 कन्या छात्रावास भी स्थित हैं। इस क्षेत्र में प्रदेश के कृशकों के उत्थान हेतु अनुसंधान चिन्तन एवं अध्यापन कार्य भी निरन्तर चलते रहते है। इसके अतिरिक्त सभी कर्मचारी, प्राध्यापक, वैज्ञानिकों एवं छात्र–छात्राओं के साथ कृषि नगर वासियों के निकास का एकमात्र द्वारा कृशि नगर कालोनी का मुख्य द्वार ही है। हॉकर जोन का निर्माण जिस स्थान पर कराया जा रहा है पूर्व में राश्ट्रीय राजमार्ग–7 था जिस पर आज भी भारी यातायात का दबाब रहता है। जिसके कारण कई बाद दुर्घटनाएं भी होती रहती है।

इसी रोड से ही सुहागी एवं महाराजपुर के बीच में लगभग 15 आवासीय कालोनी हैं जिनके रहवासी इसी रास्ते से आते–जाते हैं। इसी मार्ग से शहर के करीबी गांव के लोग अपनी रोजी–रोटी के लिये शहर प्रतिदिन आते–जाते हैं। उक्त स्थान के सामने अधारताल तालाब स्थित है जिसमें गणेश प्रतिमा विर्सजन, दुर्गा प्रतिमा विर्सजन, छठ पूजन एवं अनेक धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते है।

अतः सभी के मांग के अनुरूप हॉकर जोन का निर्माण कार्य अविलम्ब निरस्त किया जाए जिससे इस क्षेत्र के रहवासियों को उक्त परेशानियों का सामना न करना पडे।

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

&000&

tokgjyky usg: —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çs"kd % Øekad 151
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 30-11-2017

çns'k us —f"k esa 5 o"kksZa esa [kklh rjDdh dh gS& MkW- çlkn uhfr vk;ksx dh Vhe dk tusÑfofo Hkze.k

tcyiqj 30 uoEcjA देशभर में 640 कृशि विज्ञान केन्द्र हैं। कृशि की उन्नत और नई तकनीक को प्रयोगशाला से गांवों और किसानों के खेतों तक पहॅुचाने की अहम जिम्मेदारी इन केन्द्रों की है क्योंकि ये सीधे किसानों से जुड़े हैं। किसानों के साथ ही अब कृशि छात्रों को भी खेती ये जोड़ा जायेगा इस पर अमल शुरू हो गया हे। युवाओं को खेती से जोड़ने हेतु लोकल स्तर पर सक्सेस स्टोरी बनाई जायेगी।

यह जानकारी टीम के साथ जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय पहॅुचे नीति आयोग के राश्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र एवं विकास संस्थान के राश्ट्रीय निदेशक डॉ. एम.आर. प्रसाद ने जनेकृविवि स्थित कृशि विज्ञान केन्द्र जबलपुर में प्रदान की। उनके साथ संस्थान के सहायक निदेशक विजय सक्सेना भी शामिल रहे।

उन्होंने बताया कि देशभर में कार्यरत् 63 कृशि और पशुचिकित्सा विश्वविद्यालयों से निकलने वाली तकनीक को लैब से लैंड तक ले जाने हेतु आयोग काम कर रहा है। आयोग ने एक टीम गठित की है, जिसने देशभर के 640 कृशि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा रिपोर्ट तैयार की है और केन्द्रों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। जनेकृविवि स्थित कृशि विज्ञान केन्द्र जबलपुर को बेहतर कार्य के आधार पर ''ए'' ग्रेड दिया गया है। ग्रेड हेतु ए, बी, सी, डी, चार श्रेणियां रखी गई हैं। डॉ. प्रसाद ने माना कि मध्यप्रदेश ने विगत 5 वर्शो में कृशि के क्षेत्र में शानदार तरक्की की है। प्रदेश में कृशि के लिये कृशि शिक्षा, भूमि, मौसम और वैज्ञानिक आधार पर प्रदेश के कृशि विज्ञान केन्द्र ए और बी श्रेणी में रहकर बेहतर कार्य रहे हैं। देश के हर जिले में केन्द्र स्थापित किये गए हैं। उन्होंने बताया कि कृशि तकनीक और बीज को खेतों तक ले जाने के साथ ही किसानों को उपयुक्त बाजार दिलाने के लिये भी आयोग गंभीर है ताकि उन्हें उपज का सही मूल्य मिल सके। नीति आयोग की समीक्षा रिपोर्ट सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय भेजी जायेगी। पूर्व में केन्द्र समन्वयक डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर प्रमुख कृशि वैज्ञानिक और विशेशज्ञ उपस्थित थे।

&000&